

(स्व.) पंडितप्रवर दलसुखभाई मालवणियानी साहित्योपासना

- जितेन्द्र शाह

महामना पं. श्री दलसुखभाई मालवणियाए आजीवन विद्यानी उपासना करी केटलाये ग्रंथोनुं संपादन अने अनेक लेखो लख्या छे. तेमनी विशिष्ट प्रजाने कारणे जैनदर्शननो अनेकान्तवाद खूब ज सुंदर रीते रखू थयो छे. जैनागम अने तेना उपर रचायेला साहित्यना तेओ प्रथम कक्षाना मर्मज्ञ विद्वान् हता. मात्र जैनदर्शन ज नहीं, पुराणां तमाम भारतीय दर्शनोनुं पण तलस्पर्शी ज्ञान धरावता हता. भारतीय दर्शनना ग्रौढ ग्रंथोनां गहन रहस्योने सरलताथी अने सहजताथी उकेलता जोईए त्यारे एम लागे के तेओ भारतीय दर्शनना महर्षि छे. न्यायवतारवार्तिकनी विस्तृत प्रस्तावना अने तुलनात्मक टिप्पणो तो भारतीय दर्शनशास्त्रना अध्येता माटेनो महाभूत्यवान् खजानो छे. स्थानांग-समवायांगसूत्रनो अनुवाद जैनदर्शनना विश्वकोशनी गरज सारे तेको छे गणधरवादनी प्रस्तावनामां जैनदर्शननी अन्यदर्शनो साथेनी तुलना बांचतां तेमना बहुश्रुतत्वनो सहज परिचय थाय छे. आ उपरांत तेमणे अनेक ग्रंथोनां संपादनो कर्या छे, ए अने एमना विविध लेखोमां दार्शनिक अने आगमिक विषयोनी ऊँडाणपूर्वक चर्चा थयेली छे. साथे साथे तेमां समकालीन घटनाओ, विशिष्ट प्रसंगो आदिनुं पार्मिक चितन पण जोका मल्हे छे. भारतभर्नी सुप्रसिद्ध शोधपत्रिकाओमां तेमना लेखो प्रकाशित थया छे. गुजराती, हिन्दी, तेमज अंग्रेजी भाषामां पण आ लेखो लखायेला छे. एक लेख तेमणे प्राकृत भाषामां पण लख्यो छे. आ समग्र लेखनोनो प्रकाशनार्थे संग्रह थई रह्यो छे. आ लेखना संग्रह-प्रकाशननुं कार्य करतां तेमना जीवन दरम्यान करेल कायोनी सूचि तैयार थई छे ते अत्रे सामेल करवामां आवी रही छे. ते उपरथी ज तेमनी विशिष्ट प्रज्ञानो ख्याल आवशे.

अनुवादे

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	गणधरवाद	गुजराती	गुजरात विद्यामंभा	१९५२
२	स्थानांग-समवायांग	गुजराती	गुजरात विद्यामंभा	१९५५

आकाशवाणी वार्तालाप

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	Jainism-Its place in Indian Thought	अंग्रेजी	आकाशवाणी, मुंबई	१९७५
२	आचार्य हेमचंद्र-एक चितक	गुजराती	वार्ता Reco.	१९८९
३	आदिपुराण	गुजराती	अप्रकाशित	१९६६
४	ईश्वर-परमात्मा	गुजराती	अमृतधारा (अप्रकाशित)	१९७५
५	कालगणना	गुजराती	अमृतधारा Reco.	१९८५
६	गुरु	गुजराती	अमृतधारा (अप्रकाशित)	१९८५
७	जपजी	गुजराती	अमृतधारा (आपा प्राप्ति)	१९८५
८	जैन स्थापत्य-कलातत्त्वनी दृष्टिए	गुजराती	अप्रकाशित	१९८५
९	जैनधर्म का भारतीय विचारधारा पर प्रभाव	हिन्दी	सुधारिट	१०३५
१०	तिबेट अने भारतीय संस्कृति	गुजराती	अप्रकाशित	१०३५
११	धर्मपद	गुजराती	अमृतधारा Reco. शोडकाम	१०३५
१२	न्याय-संपत्ति वैभव	गुजराती	अमृतधारा (अप्रकाशित)	१०३५
१३	पंचशील	गुजराती	अमृतधारा Reco. शोडकाम	१०३५
१४	प्रदर्जन्या	गुजराती	अमृतधारा (अप्रकाशित)	१०३५
१५	भगवान महाकीर अने अहिंसा	गुजराती	अप्रकाशित	१०३५
१६	भगवान महाकीरनो गणधरवाद	गुजराती	अप्रकाशित	१०३५
१७	भास्त्र रेति विवरण स्थोन	गुजराती	शोडकाम। गुरु	१०३५

१८	रणमां एक उत्त	गुजराती	रंग रंग वादलिया	१९७१
१९	रसो वै सः	गुजराती	अमृतधारा (अप्रकाशित)	१९८६
२०	वर्धमान महावीर	गुजराती	अमृतधारा Reco. ब्रोडकास्ट	१९८८
२१	विश्वमैत्रीनुं सांवत्सरिक	गुजराती	--	--
	पर्व			
२२	विसर्जन	गुजराती	अमृतधारा (अप्रकाशित)	१९६५
२३	चेदोमां जीविका, उद्घोग	गुजराती	अप्रकाशित	१९६५
	अने ज्ञानविज्ञान			
२४	समरणसुत्र अने संवत्सरी	गुजराती	स. ७.३०थी ७.४०नी वार्ता	१९८२
२५	सम्यक	गुजराती	अमृतधारा (अप्रकाशित)	१९८६
२६	सर्वधर्म समभाव	गुजराती	अमृतधारा (अप्रकाशित)	१९७८
२७	स्याद्वाद	गुजराती	अप्रकाशित	१९७४

ग्रंथावलोकन

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	Atmanusasana (Review)	अंग्रेजी	JOI Baroda, Vol.12 p. 468	१९६३
२	Critique of Indian Realism (Review)	अंग्रेजी	JOI Baroda, Vol.16 p. 389	१९६७
३	Early Madhyamika in Indian and China (Review)	अंग्रेजी	by Richard H. Robinson.	१९७६
४	Literary Heritage of the Rulers of Amber and Jaipur by Gopal Narayan Bhaura, Jaipur (Review)	अंग्रेजी	Motilal Banarasidass Sambodhi Vol. 8, No. 1-4	१९७६
५	Padmananda- Panevimsati	अंग्रेजी	(Review) J.O.I.Baroda Vol.12 p. 461	१९६३
६	Prasastapada- bhasya (Review)	अंग्रेजी	JOI Baroda, Vol.15 p. 108	१९६५
७	Society at the time of Buddha(Review)	अंग्रेजी	JOI Baroda, Vol.18 p. 265	१९६९

क्रम	लेखा	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
८	The Canonical Niksepa Studies in Jaina Dialecties by Bansidhar Bhait (Review)	अंग्रेजी	Pub: Indologia Berolinensis, Band-5 E.Y.Brill, Laiden, 1978, pp 164, Sambodhi Vol.8 Nos. 1-4	
९.	'आयारो'की समालोचना	हिन्दी	संबोधि ६. ३०४	१९७८
१०	अधिषेक ले.- श्री रतिलाल दीपचंद	हिन्दी	ज्ञानोदय	१९५३
११	आ. श्री विजयबलभसूरि गुજराती स्पारक ग्रंथ		समालोचना प्र.जी.	१९५६
१२	आपणा फागु काव्यो ले. रमणलाल ची. शाह	हिन्दी	Review. as above	
१३	कल्याण-हिन्दु संस्कृति अंक	हिन्दी	समालोचना, श्रमण-१	१९५०
१४	चेतना का ऊर्ध्वरीहण मुनि नथमल	हिन्दी	प्र. आदर्श, साहित्य संघ प्रकाशन, चूरु	१९७८
१५	चेतना का ऊर्ध्वरीहण- मुनि नथमल	हिन्दी	संबोधि(रीव्यु)एप्रिल	१९७९
१६	चेतना का ऊर्ध्वरीहण- मुनि नथमल	हिन्दी	संबोधि(रीव्यु)जनवरी	१९८०
१७	जैन दृष्टिए योग- मो. ची. कापडीया	हिन्दी	समालोचना, श्रमण-५	१९५४
१८	जैनदर्शन-ले. मुनिश्री न्यायविजयजी	हिन्दी	ज्ञानोदय	१९५३
१९	जैनधर्म के प्रभावक आचार्य ले. साध्वी संघिमत्रा	हिन्दी	प्रका. जैन विश्वभारती, लाडनूं (रीव्यू उपर मुजब)	१९७९
२०	ज्ञानोदय	हिन्दी	समालोचना, श्रमण १	१९५०
२१	निगंठ ज्ञानपुत-ले. ज्ञानचंद जैन	हिन्दी	एप्रिल-१९७९, जनवरी	१९८०
२२	निगंठ ज्ञानपुत-ले. ज्ञानचंद जैन	हिन्दी	प्र.हिन्दी समिति, संबोधि (रीव्यू)वोल्यूम-८, नं. १, ४	१९७७

२३	निर्ग्रथ भगवान महावीर	गुजराती	जयभिकबु समालोचना, प्र.जी.	१९५६
२४	न्याय अने वैशेषिक दर्शनोनी समीक्षा	गुजराती	डॉ. नगीन शाहना न्याय- वैशेषिक ग्रंथनी समालोचना, प्र.जी.	१९७४
२५	भारतनो लोकधर्म	गुजराती	डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल समालोचना, प्र.जी.	१९६५
२६	महावीर वाणी	गुजराती	समालोचना, प्रबुद्ध जीवन	१९५५
२७	महावीरका अन्तस्तल (सत्यभक्त)	हिन्दी	समालोचना, प्र. जी.	१९५५
२८	योगशतक सं.इन्दुकला झवेरी,	गुजराती	समालोचना, प्र.जी.	१९५६
२९	रामविलास काव्यम्- विश्वनाथ भट्ट	हिन्दी	Review. as above	--
३०.	विनोबानुं अध्यात्मदर्शन	गुजराती	विनोबा कृत 'अध्यात्म दर्शन'नुं अवलोकन	१९६५
३१	श्रावक धर्म दर्शन प्रवचनकार श्री पुष्कर मुनि	हिन्दी	Review. as above	--
३२	श्री मोहरजीभाई देसाई	गुजराती	अंबालाल जोशी समालोचना प्र.जी.	१९६०
३३	समयसुन्दर-डॉ.रमण- लाल ची. शाह	हिन्दी	Review. as above	--
३४	सांप्रदायकिता से उपर उठो ले. पं. उदय जैन	हिन्दी	श्री जैन शिक्षण संघ, कानोड	१९७६
३५	साहित्याचार्चन, ले. महेन्द्रकुमार	हिन्दी	न्यायाचार्य ज्ञानोदय, जनवरी	१९५७
३६	स्वाध्याय-ए मथाळे ग्रंथोना अवलोकनो	गुजराती	संबोधि-४, ३-४	१९७५
३७	स्वाध्याय-ए मथाळे ग्रंथोना अवलोकनो	गुजराती	संबोधि-४, ६-१-२	१९७७
३८	स्वाध्याय-ए मथाळे ग्रंथोना अवलोकनो	गुजराती	संबोधि-४, ६-३-४	१९७८

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
३९	स्वाध्याय-ए मथाळे ग्रंथोना अबलोकनो	गुजराती	संबोधि-४; ५-१.	१९७६

निबंधो

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	अ.भा.भावसार क्ष. महासभानी कार्यकारिणी- नी फलश्रुति	गुजराती	भावसार-बंधु	१९६५
२	अकलंक	हिन्दी	हिन्दी विश्व कोष	१९६०
३	अत्रत्र पूणेनी वाक्यार्थ संगोष्ठि	गुजराती	भाषाविमर्श	१९७९
४	अधिकारवाद अने दयादाननुं पाप	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५६
५	अनुयोग	हिन्दी	हिन्दी विश्व कोष	१९६०
६	अनेकान्तवाद और प्रध्यममार्ग-एक विश्लेषण	हिन्दी	जैन प्रकाश	१९६४
७	अनेकान्तवादनुं ध्येय	गुजराती	टेरेन्टे	१९६८
८	अपूर्व अवसर	गुजराती	भावसार-बंधु	१९६७
९	अभिसमय	हिन्दी	हिन्दी विश्व कोष	१९६०
१०	अभ्यासनुं वर्ष आवे छे	गुजराती	भावसार मित्र	१९७६
११	अमदावादमां आपणुं छात्रालय	गुजराती	उत्थान	१९३२
१२	अमारिघोष करनार चीननो बादशाह चु	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९६८
१३	अपूर्व्य अवसर	गुजराती	भावसार-बंधु	१९६५
१४	अवधिज्ञान	हिन्दी	हिन्दी विश्व कोष	१९६०
१५	असंयत जीवका जीना चाहता राग है	हिन्दी	श्रमण ४.३,	१९५३
१६	आ.श्री तुलसी द्वारा नवो प्रयोगःमुमुक्षु अने श्रमणी संघनी स्थापना	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९८०

क्रम	लेखा	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१७	आगम ग्रंथोना विच्छेद विषेनी विचारणा	गुजराती	जैन	१९६०
१८	आगम झूटे हैं क्या ?	हिन्दी	प्रमण ८.६	१९५७
१९	आगम प्रकाशन कार्य- एक स्पष्टीकरण	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९६०
२०	आगमयुगना व्यवहार निश्चय	गुजराती	महावीर विद्यालय सुवर्ण महोत्सव ग्रंथ	१९६८
२१	आगमोद्धार	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३२
२२	आचारांग सूत्र	हिन्दी	प्रमण, अक्षु. '५७से अगस्त '५८ तक	१९५७
२३	आचार्य तुलसीनी अग्निपरीक्षा	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९७२
२४	आचार्य मळवादीका नयचक्र	हिन्दी	श्रीमद् राजेन्द्रसूरि स्मारक ग्रंथ	१९५७
२५	आचार्यश्री आत्मरामजी- का मार्ग	हिन्दी	जैन प्रकाश	१९६२
२६	आजना समाजने भिक्षानिर्भर साधु संस्थानी जरूर छे के नहि ?	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५४
२७	आजीविक	हिन्दी	हिन्दी विश्व कोष	१९६०
२८	आत्मदीपो भव	गुजराती	जैन प्रकाश	१९५६
२९	आत्महित बनाम परहित हिन्दी		प्रमण २-३.	१९५१
३०	आत्मानो धर्म-ईट अने	गुजराती	गुजरात समाचार इमारत	१९७२
३१	आधुनिक गुजराती साहित्यका दिग्दर्शन	हिन्दी	-	१९४८
३२	आधुनिक युगकी दृष्टि से जैन आचार के नियम	हिन्दी	-	१९७४
३३	आपणी साधु संस्था	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९७०
३४	आपणे पामर ?	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४
३५	आवरणो दूर करी जोतां शीखो	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९४८

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
३६	उपशमनका आध्यात्मिक पर्व	हिन्दी	श्रमण ५.११	१९५४
३७	उलटी गंगा	गुजराती	जैन प्रकाश	१९४५
३८	ऊगती प्रजामां धार्मिक संस्कारे शी रीते		जैन प्रकाश १८-२-३७, २५-२-३७, ४-३-३७	
	सचवाय ?	गुजराती		१९३७
३९	एक आवकारदायक परंपरा, सद्गत श्री कीरचंदभाई पंचाली	गुजराती	भावसार मित्र	१९७३
४०	एकांत, पाप अने पुण्य	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५५
४१	एकान्त पाप और पुण्य (गुज. से अनु.)	हिन्दी	जैन भारती श्रमण ६.१२	१९५५
४२	औदार्यपूर्ण धर्ममीमांसा (आनंदशंकर बापुभाई ध्रुव)		आपणो धर्म (त्रीजी आवृत्तिनुं पुनःमुद्रण) ग्रंथ	
४३	करकंडु राजा	गुजराती	सविता शतांक	१९५६
४४	करुणाविचार विरुद्ध उपयुक्तावाद	गुजराती	जैन प्रकाश	१९६१
४५	काहड्डे प्रबंध अने ई.र.द	गुजराती	गुज. समाचार जैन ३०-४-६०	१९६०
४६	कुवलयमालाकथा अने तेना संध्यावर्णनो	गुजराती	स्वाध्याय अंक१-१	१९६३
४७	कोन्फर्म स एट्ले तमे पोते ज	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४
४८	क्या मैं जैन हूं	हिन्दी	श्रमण ३.१०	१९५२
४९	क्षमापर्व	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५२
५०	क्षमाश्रमण गांधीजी	हिन्दी	नया समाज	१९४८
५१	क्षमाश्रमण गांधीजी	गुजराती	अखंड आनंद	१९४९
५२	खोद्यो छुंगर अने (थोडा समय पहेला बीकानेर भीनासर खाते अखिल हिन्दी स्थानकवासी जैन कोन्फर्मसनुं अधिवेशन	गुजराती	--	

भरवामां आव्युं हतुं
 अने तेना अनुसंधानमां
 योजायेला स्थानकवासी
 साधुओना संमेलन अंगे
 करवामां आवेली
 आलोचना)

५३	गुजरात भावसार	गुजराती	भावसार-बंधु	१९७१
५४	समाजनुं आर्थिक संकट	हिन्दी	जनपद	१९५२
५५	गुजरातके लोककवि	हिन्दी	गुज.मां भास्तीय भाषाओनो	--
५६	गुजरातमां संस्कृत-	गुजराती	विकास, गुज. विद्यापीठमां	
५७	प्राकृत भाषाओनुं	हिन्दी	सेमीनारॄ ३-५-मार्च ७३	
५८	अध्ययन-अध्यायन	हिन्दी	श्रमण	१९५०
५९	चातुर्मास	हिन्दी	प्रबुद्ध जैन	१९४७
६०	चालो करीए प्रतिक्रमण	गुजराती	भावसार-बंधु	१९६५
६१	छात्रालय मोटे सहकार	गुजराती	भावसार-बंधु	१९६९
६२	छात्रालयने स्वर्ग	गुजराती	बनावीए	
६३	जईणो अ अजईणो अ	गुजराती	प्राकृत जैन प्रकाश	१९२९
६४	जैन अने जैनेतर	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३५
६५	जन्म अने मृत्यु	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५३
६६	जीवन अने अध्यात्म	गुजराती	प्रबुद्ध जैन	१९५३
६७	जीवो जीवस्य जीवनम्	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन १६-७-५९	१९५९
६८	जैन आचाराना मूळ	गुजराती	सिद्धांतो	
६९	जैन एकता और महावीर	हिन्दी	महावीर जयन्ती समारोहके	१९७०
७०	जयन्ती	हिन्दी	अवसर पर प्रकाशित स्मारिका	
७१	जैन और हिन्दु	हिन्दी	श्रमण	१९५०
७२	जैन गुणस्थान और	हिन्दी	वासणसेय सं.वि.वि. के	१९७१
७३	बोधिचर्या भूमि		बौद्धयोग और अन्य भारतीय	
७४			साधनाओंका समीक्षात्मक	
७५			अध्ययन सेमिनारका निवंध	
७६			संबोधि १.२	
७७	जैन जीवननी कल्पना	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशन
६९	जैन दार्शनिक साहित्य का सिंहावलोकन	हिन्दी	प्रेमी अधिनंदन ग्रंथ	१९४६
७०	जैन धर्म	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन १-१२-५६	१९५७
७१	जैन धर्म	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५७
७२	जैन धर्म अने बौद्धधर्म	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन १५-५-५८	१९५८
७३	जैन धर्मना उच्च शिक्षणो प्रेषण	गुजराती	प्रबुद्ध जैन	१९४६
७४	जैन धर्मना केन्द्रवर्ती सिद्धांतो-अर्हिसा, अपरिग्रह अने अनेकांत	गुजराती	जनसत्ता	१९७४
७५	जैन धर्मां मिक्षधर्म बने तेवा तत्त्वो छे खण ?	गुजराती	पर्युषण पर्वनी व्याख्यानमाला	१९३७
७६	जैन महाभारत कथाः साहित्य जैन महाभारत कथाःआस्वाद	गुजराती	महाभारत सेमीनार, गुज. सुनि. --	१८-५-७५
७७	जैन युनिवर्सिटी-एक स्वप्न	गुजराती	जैन प्रकाश	१९४४
७८	जैन संस्कृति का संदेश	हिन्दी	क्षिक्षवाणी	१९४२
७९	जैन साहित्य	गुजराती	जैन युग	१९५८
८०	जैन साहित्य के इतिहास हिन्दी की प्रगति	हिन्दी	श्रमण ६.२	१९५४
८१	जैन-आगम साहित्य पर हिन्दी एक दृष्टि		जैन प्रकाश	१९६२
८२	जैनजीवन प्रबुद्ध क्यारे बनशे ?	गुजराती	प्र.जी.सुवर्णजयंती महोत्सव-विशेषांक	१९७८
८३	जैनधर्म अने शैवधर्म	गुजराती	--	--
८४	जैनधर्म और जातिवाद	हिन्दी	श्रमण १-२	१९४९
८५	जैनधर्मना आराध्य देवो	गुजराती	विद्या Vol.XIV No.3	१९७३
८६	जैनधर्मनो प्राण	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९७३
८७	ज्ञानोपासना	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४
८८	झांझवाना जळ	गुजराती	उत्थान	१९३३
८९	डभोडा, वडनगर अने महेसाणानो प्रवास	गुजराती	भावसार-बंधु	१९६५

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१०	तत्वार्थसूत्र ध्यानलक्षण- माना 'एकाग्र चिता निरोधो' विशेषोंध	गुजराती	विद्या	१९७२
११	तपसी वडे लपसी	गुजराती	उत्थान जैन प्रकाशमूर्ति	१९३२
१२	तीर्थ शब्दनो भावार्थ	गुजराती	विश्व विज्ञान	१९६२
१३	तीर्थोंना संघर्ष मिटावाः-गुजराती नो उचित मार्ग		जैन प्रकाश	१९६६
१४	थोड़ाक शिक्षण	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३१
१५	थोड़ाक साहित्य	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३१
१६	दक्षिण हिन्दुस्थान और जैनधर्म	हिन्दी	श्रमण	१९५०
१७	दक्षिण हिन्दुस्थान और जैनधर्म	हिन्दी	श्रमण	१९५०
१८	दर्शन अने जीवन	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन १-४-६१	१९६१
१९	दर्शन और जीवन (गुज. से अनु.)	हिन्दी	विजयानंद	१९६२
२००	दिवाळी	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४
२०१	धर्मका पुनरुद्धार और संस्कृतिका नवनिर्माण	हिन्दी	श्रमण	१९५०
२०२	धर्मका पुनरुद्धार और संस्कृतिका नवनिर्माण	हिन्दी	नयासमाज	१९४९
२०३	धर्मनी कसोटी	गुजराती	प्रबुद्ध जैन	१९४३
२०४	धर्मसमन्वयनी भावना	गुजराती	चितन परग	१९६६
२०५	धार्मिक पराधीनता	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४
२०६	नवाचादनो प्रारंभिक इतिहास	गुजराती	जैन प्रकाश २२-७-३४, ५-८-३४, १२-८-३४	१९३४
२०७	नये का प्राचीनीकरण	हिन्दी	जैन जगत	१९५५
२०८	नवा वर्षना अभिनंदन	गुजराती	भावसार मित्र	१९७९
२०९	नवानुं प्राचीनीकरण	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५४
२१०	नवाविचारको अने दान	गुजराती	महावीर जैन विद्यालय रजत स्मारक	१९४०
२११	नवी दुनियामां	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९६८

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
११२	निग्रीथका चातुर्याम धर्म हिन्दी 'सर्ववारिवारितो'का अर्थ	गुजराती	र्जनल-गंगानाथ झा केन्द्रीय सं. विद्यापीठ	१९७१
११३	निवृत्ति अने प्रवृत्ति	गुजराती	प्रबुद्ध जैन	१९४३
११४	निवृत्तिना चक्रनुं भेदन	गुजराती	प्रबुद्ध जैन	१९५१
११५	न्यायसंपत्र विभायः	हिन्दी	श्रमण २-२	१९५०
११६	पं. सुखलालजीना विशिष्ट संपादनो :	गुजराती	परब	१९७८
	सन्मतितर्कनुं संपादन			
११७	पंजाब संघनो फेसलो- एक कांतिकारी पागलुं	गुजराती	जैन प्रकाश	१९४९
११८	पंडित सुखलालजीना विचारधारा	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५७
११९	पंडित सुखलालजीना विचारधारा	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन हिन्दी-तरुण	१९५७
१२०	पंडितजीना ग्रंथो	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९७८
१२१	पतनने पंथे	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४
१२२	पार्श्वनाथ विद्याश्रम आदि विद्यासंस्थाओ	हिन्दी	प्रजा, ५८ श्रमण ११.२	१९५६
१२३	पार्श्वनाथ विद्याश्रमनी टेल (समाजमां विद्वानो ऊभा करवा भाटेनी एक आदर्श संस्थाने विद्यार्थीओ पूरा पाढवा)	गुजराती	जैन प्रकाश	१९४४
१२४	पेरिसनी संस्कृत परिषदमां	गुजराती	परब	१९७७
१२५	पेरिसनो प्रवास, इंट अने इमरेत	गुजराती	परब	१९७७
१२६	प्रश्नाचक्षु पं. सुख-लालजी	हिन्दी	गष्टभारती	१९५६
१२७	प्रतिक्रमण	गुजराती	झालावाड, दशा श्रीमान्नं स्था. जैन समाचार, अमदाबाद	१९८८
१२८	प्रत्यागमन	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१३९	प्राकृत टेक्स्ट सोसायटी	गुजराती	जैन युग	१९५७
१३०	प्राणशक्ति कहां गइ	हिन्दी	तरुण जैन	१९४८
१३१	प्रायश्चित्तना सरल मार्य	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४
१३२	बनारसमें एक सांस्कृतिक अनुष्ठान	हिन्दी	श्रमण १-१	१९४९
१३३	बनारससे जैनों का संबंध	हिन्दी	श्रमण २-७	१९५१
१३४	बालदीक्षा	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५६
१३५	बालदीक्षा	हिन्दी	तरुण	१९५६
१३६	बालदीक्षा मत दो	हिन्दी	तरुण	१९४९
१३७	बिहारानं तीर्थोनी यात्राए	गुजराती	प्रबुद्ध जैन	१९५१
१३८	बीजमांथी वटवृक्ष	गुजराती	भावसार बंधु	१९६४
१३९	बोर्डिंगने स्थिर करवा शुं करवुं ?	गुजराती	भावसार-बंधु	१९७०
१४०	बौद्ध धर्मनुं सर्वेक्षण	गुजराती	ग्रंथ	१९७८
१४१	बौद्ध योगाचार संमत विज्ञानाद्वैत	गुजराती	संगोष्ठि, १-६-७७नुं व्याख्यान --	
१४२	बौद्धधर्म	हिन्दी	श्रमण	१९५०
१४३	भ.महावीर का धर्म- सामायिक निश्चय और व्यवहार-पुण्य और पाप	हिन्दी	वीर परिनिर्वाण १-१०	१९७५
१४४	भ.महावीर का धर्म- सामायिक निश्चय और व्यवहार-पुण्य और पाप	हिन्दी	श्रमण	१९७४
१४५	भ.महावीरसुं कार्य- एक विचारणा (महावीरसुं कार्य-श्री शंकराचार देवना व्याख्याननी विचारणा)	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९६०
१४६	भ. महावीरों संघ अने पाश्चापत्यिको	गुजराती	उत्थान	१९३३

अनुसंधान-१७ ● 246

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१४७	भ.महावीर अने महात्मा गांधी	हिन्दी	तरुण जैन	१९४७
१४८	भ. महावीर और मार्क्सवाद	हिन्दी	श्रमण(ज्ञानोदय)	१९५०
१४९	भक्ति-मार्ग और जैनदर्शन	हिन्दी	जनवाणी	१९५१
१५०	भक्तिमार्ग का सिंहावलोकन	हिन्दी	श्रमण २.६	१९५२
१५१	भगवान बुद्ध अने महावीर	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९६४
१५२	भगवान बुद्ध और भगवान महावीर (गुज. से अनु.)	हिन्दी	श्रमण विज्याननंद	१९६५
१५३	भगवान महावीर	गुजराती	जैन, स.सं.पत्रिका नं.८नो गुज.मां अनुवाद, जैन ध.चिं. जैन सिद्धांत	१९४७
१५४	भगवान महावीर	हिन्दी	जैन जगत	१९५३
१५५	भगवान महावीर- समताधर्म के प्ररूपक	हिन्दी	भ. महावीर समृति ग्रंथ, लखनौ	१९७५
१५६	भगवान महावीर- समताधर्म के परूपक	हिन्दी	श्रमण	१९७४
१५७	भगवान महावीर अने महात्मा गांधी	गुजराती	जैन सभा, २५-५-८५ प्रबुद्ध जैन	१९४७
१५८	भगवान महावीर अने महात्मा गांधी	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९७०
१५९	भगवान महावीर अने महात्मा गांधी	गुजराती	झालाचाड दशा श्रीमाली स्थानकवासी जैन समाचार, अमदाबाद	१९८५
१६०	भगवान महावीर का जीवन	हिन्दी	जैन प्रकाश	१९६२
१६१	भगवान महावीर का मार्ग	हिन्दी	महामानव महावीर अप्रैल	१९५०

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१६२	भगवान महावीर का मार्ग	हिन्दी	श्रमण ६.६.७	१९५५
१६३	भगवान महावीर का मार्ग	हिन्दी	जैन संदेश	१९७३
१६४	भगवान महावीर की अहिंसा	हिन्दी	उदयपुर युनि.सेमीनार	१९७३
१६५	भगवान महावीर की अहिंसा	हिन्दी	Seminar of "Contribution of Jainism to Indian Culture" Ed. Dr. R.C.Dwivedi-Motilal Banarasidass Delhi.	१९७५
१६६	भगवान महावीर के गणधर	हिन्दी	श्रमण ५.५	१९५४
१६७	भगवान महावीर के प्राचीन वर्णक	हिन्दी	मुनि द्वय अभिनंदन ग्रंथ	१९७३
१६८	भगवान महावीरना प्राचीन वर्णको	गुजराती	'संप्रसाद' श्री चतुर्भुज पूजारा अभिनंदन ग्रंथ	१९७७
१६९	भगवान महावीरनी जीवनकथानो विकास	गुजराती	जैन	१९६४
१७०	भगवान महावीरनो अनेकांत अने भगवान वृद्धनो मत्यपमार्ग	गुजराती	जैन	१९६४
१७१	भगवान महावीरनो अनेकांतवाद	गुजराती	धर्मलोक	१९७८
१७२	भगवान महावीरना पाठ्यका	गुजराती	प्रबुद्ध जैन	१९५१
१७३	भेद-सम्बन्ध इत्यग	मुख्यमती		१९७३
१७४	भौतिक गोष्ठी के लिए गुजराती दृष्टिनो समन्वय	गुजराती	'शांति', मुंबई	१९५०
१७५	भौतिकता और आध्यात्मिक मध्यम	हिन्दी	श्रमण ४.६	१९५३
१७६	मलधार्य अभ्यट्टव इत्यहमचन्द्रानाथ	हिन्दी	श्रमण ४.२	१९५३

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१७७	महान सुधारक श्रीमान लोकाशाह की एक कृति	हिन्दी	सम्प्रदाय दर्शन	१९६६
१७८	महावीर का अन्तस्तल	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५५
१७९	महावीर भूले	हिन्दी	श्रमण	१९५६
१८०	महावीर वाणी	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९५५
१८१	महावीरना श्रावकोने	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४
१८२	महावीरनी एक विशेषता	गुजराती	जैन दीपोत्सवी अंक	१९६१
१८३	मानवता पाछी लावो	गुजराती	जैन	१९४८
१८४	मुझे शीघ्र भूल जाना	हिन्दी	तरुण	१९५१
१८५	मैत्री साधना	गुजराती	जीवन माधुरी	१९५८
१८६	मोडासानो अमारे	गुजराती	भावसार-बंधु उत्साहवर्धक प्रवास	१९६६
१८७	लोकाशाह और उनकी विचारधारा	हिन्दी	गुरुदेव श्री रत्नमूर्ति समृतिग्रंथ	१९६४
१८८	लोकाशाह और उनकी विचारधारा	हिन्दी	गुरुदेव श्री रत्नमूर्ति समृतिग्रंथ	१९६४
१८९	लोकाशाह मतकी दो पोथियां	हिन्दी	मुनिश्री हजारीमल समृतिग्रंथ	१९६५
१९०	विवादनां कारणे	गुजराती	जैन प्रकाश १५-१-३३	१९३३
१९१	विश्व संस्कृति संमेलन	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९७३
१९२	व्यक्तिनिष्ठा का पाप	हिन्दी	तरुण	१९५३
१९३	व्यक्तिने समाजनी पारस्परिक प्रभुता	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९६२
१९४	व्यवहार अनेनिश्चय	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९४२
१९५	व्यवहारिक अनेकांत	गुजराती	प्रबुद्ध जैन	१९४४
१९६	शास्त्राज्ञाओने हेतु	गुजराती	आखंड आनंद	१९५२
१९७	शुभ अवसर अनेसमाज	गुजराती	भावसार-बंधु	१९६७
१९८	श्रद्धा का क्षेत्र	हिन्दी	श्रमण ३.५	१९५२
१९९	श्रद्धा	गुजराती	गुजरात समाचार	१९६५

क्रम	लेखा	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
२००	श्रमण-संस्कृति के उत्त्रायक महाश्रमण महावीर	हिन्दी	जैन प्रकाश	१९६४
२०१	श्रमण अने ब्राह्मण	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन १-१२-५६	१९५६
२०२	श्रमण महावीर का संघ	हिन्दी	श्रमण	१९४९
२०३	श्रमण-ब्राह्मण	हिन्दी	जैनयुग	१९५६
२०४	श्री अंतरिक्षजी तीर्थ विवाद समापन माटे समाधान-सूचन	गुजराती	जिन संदेश	१९८२
२०५	श्री बावनगाम भावसार केळवणी मंडळ परिषद (भावनगर परिषदमां पसार करेल ठाण्वो तथा बंधारण	गुजराती	भावनगर	१९६०
२०६	श्री लोकाशाह अने तेमनो मत	गुजराती	स्वाध्याय अंक २-२	१९६५
२०७	संघ ऐक्य ए एक ज कार्य	गुजराती	जैन प्रकाश	१९४९
२०८	संघ भेदना पापना भागी न बनीए	गुजराती	जैन प्रकाश	१९६६
२०९	संघभेद के पाप के भागी न बने	हिन्दी	जैन प्रकाश	१९६६
२१०	संघर्ष वि.समन्वय	गुजराती	जीवन माधुरी	१९५७
२११	संथाए आत्महत्या नहीं है	हिन्दी	श्रमण	१९६२
२१२	संघैक्यनो प्रश्न	गुजराती	जैन प्रकाश	१९६२
२१३	संन्यास मार्ग-उत्थान, पतन अने परिवर्तन	गुजराती	जैन	१९४७
२१४	संप्रसाद	गुजराती	संप्रसाद	१९७८
२१५	संमेलननी सफ़वता	गुजराती	उत्थान	१९३३
२१६	संयममार्ग	गुजराती	उत्थान	१९३२

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
२१७	सतरहवीं शती के स्थानकवासी जैन कवि	हिन्दी	जीत अभिनंदन प्रंथ जयग्वाज प्रकाशन समिति, मद्रास	१९८६
२१८	सदाचार : सामाजिक और वैयक्तिक	गुजराती	जनकल्याण सदाचार विशेषांक	--
२१९	सन्यासमार्ग-उत्थान, पतन और परिवर्तन	हिन्दी	तरुण जैन, मूल गुज. जैन २३-१-४७	१९४८
२२०	सन्यासमार्ग और महावीर	हिन्दी	आज	१९५२
२२१	समयधर्म	गुजराती	उत्थान	१९३३
२२२	समाज का प्रतिक्रमण	हिन्दी	जैन प्रकाश	१९६०
२२३	समाजनी समस्या अने तेना उकेल माटे विनंती	गुजराती	भावसार-बधु	१९६६
२२४	समाजनु प्रतिक्रमण	गुजराती	जैन प्रकाश	१९६०
२२५	सरकार अने धार्मिक शिक्षण	गुजराती	जैन प्रकाश	१९७४
२२६	सर्वमान्य प्रतिक्रमण	गुजराती	जैन प्रकाश १९-२-३४, २५-२-३४, ४-३-३४, १-३-३४, १८-३-३४	१९३४
२२७	सांबत्सरिक प्रतिक्रमण	हिन्दी	तरुण जैन	१९४८
२२८	सांबत्सरिक प्रतिक्रमण	हिन्दी	तरुण जैन	१९४८
२२९	सांस्कृतिक प्रचारानो अवसर	गुजराती	जैन	१९४९
२३०	साधु संमेलन	गुजराती	जैन प्रकाश	१९५२
२३१	साधु-संमेलन	हिन्दी	श्रमण	१९५२
२३२	साधुसमान और निवृत्ति	हिन्दी	श्रमण ३.२	१९५२
२३३	साहित्य-सत्कार	हिन्दी	"ज्ञानोदय विश्व-शांतिअंक"-१९५० श्रमण	१९५०
२३४	सिद्धिविनिश्चय और अकलंक	हिन्दी	जैन संदेश, श्रमण ५.४	१९५४
२३५	सुखी समाज	गुजराती	जैन प्रकाश	१९३४
२३६	सुधारना रह पर	गुजराती	जैन प्रकाश	१९२९

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
२३७	स्त्रिओंको उनके अधिकार दो	हिन्दी	जैन प्रकाश	१९२९
२३८	स्थानकवासी ज्ञानप्रचार अने पार्श्वनाथ विद्याश्रम	गुजराती	जैन प्रकाश	१९४६
२३९	स्वप्न साकार बने छे त्यारे	गुजराती	भावसार-बंधु	१९६८
२४०	हवे ज खास कार्य करवानु छे	गुजराती	भावसार-बंधु	१९६९
२४१	हिन्दु धर्म अने जैन धर्म	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन १-१२-६३	१९६३

पुस्तक-पुस्तिका

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	A Note on Jain Mythology (Presented in the Seminar of Jain Logic and philosophy)	अंग्रेजी	Poona Uni.. 1975 Ede: M.P. Marathe. A Kelkoar, P.P. Gokhale. Pub:I.P.O. Publication Pune	१९७५
२	A Study of Jainism in Indian Uni.	अंग्रेजी	Hindi- 'Jain Sandesh' Gujarati- 'Jain'	१९६७
३	Dharmakirti-Cultural Leaders of India Sears and Thinkers	अंग्रेजी	Editor-V. Raghvan Publication Division Govt. of India	१९७९
४	Dharamakiti-His Life and Works	अंग्रेजी	for Govt. of India	१९६८
५	Epithets of Lord Mahavira in Early Jaina Canons	अंग्रेजी	Proceeding AIOC Ujjain संशोधि १.४	--
६	Estratto da Fundamentals of the Jain Code of Conduct	अंग्रेजी	--	--
७	Fundamentals of the Jain Code of Conduct	अंग्रेजी	Reprinted from K.P. Jayaswal Commemoration Vol. Patna	१९८१

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
८	Indologica Taurinensis official organ of the International Association of Sanskrit Studies	अंग्रेजी	Vol. XIV Professor Collette Caillat felicitation Volume Edizioni Jollygrafica-Torino (Italy)	१९८८
९	Jain Categories in Sutrakrutanga	अंग्रेजी	Bom.Uni. Seminar on Prakrit Studies Bombay	१९७१
१०	Jain Parsva in Jain Canonical Literature	अंग्रेजी	--	--
११	Jain Theory and Practice of Non-violence	अंग्रेजी	'Sambodhi' 2.2 written for Seminar on Non-violence, Delhi Uni.	१९६९
१२	Jaina Concept of Deity	अंग्रेजी	Aspects of Jaina Art	१९७७
१३	Life of Lord Mahavira	अंग्रेजी	Paper Contributed to the Seminar in Prakrit Studies, Bombay Uni.	१९७१
१४	Lord Mahavira's Anudharmika Conduct	अंग्रेजी	Jain Yug	१९६०
१५	Nothing is dead in Indian Philosophy- (Seminar on "What is living and what is dead in Indian Philosophy)	अंग्रेजी	Andhra Uni.	१९७५
१६	On Bhadresvara's Kahavali	अंग्रेजी	Indologica Taurinensis Vol.XI	१९८३
१७	Padmanandi-Panca-vimsati with a Sans. commentary and Hindi Translation	अंग्रेजी	Jain Yug	१९६२

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१८	Padmanandi-Panec- vimsati with a Sans. and Hindi Translation	अंग्रेजी	Reprinted from Journal of the Oriental Institute Baroda Vol.XII	१९६३
१९	Praynapana and Satkhandagama	अंग्रेजी	J.O.I. Baroda, Vol. 19	१९६९
२०	Ratnakaravatarika A Commentary on Pramanaya tattavaloka of vadi Devsuri with Panyika by Rajasekhar suri, a tippana by Pt. Jnanacandra and Gujarati translation by Muni Sri Malayavijayaji	अंग्रेजी	Edited by Pt. Dalsukh malvana and Published by Lalbai Dalpatbhai Reprinted form Journal of the Oriental Institute Col. XVIII No. 4.	१९६७
२१	Seminar on the study of religion in Indian Uni.	अंग्रेजी	Bangalor	१९६७
२२	Some of the common features in the life Stories of the Buddha and Mahavira	अंग्रेजी	Proceedings of AIOC Gauhati	१९६५
२३	Study of Tittogalia	अंग्रेजी	भारतीय पुणतत्त्व : मुनि जिनविजय अभिनंदन ग्रंथ	१९७१
२४	The Jain theory of Symbol (Presented in the Seminar on “Jain Logic and Philosophy”	अंग्रेजी	Poona Uni.(1975) Editors:-M.P.Maratha M.A.Kelkar, P.P. Gokhale Pub:I.P.O. Publication Pune.	१९७५
२५	The story of Bharata and Bahubali-paper read at the third International Sanskrit Conference held at Paris	अंग्रेजी	Sambodhi Vol.6. No.3-4 १९७७	

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
२६	The Word Puja and Its Meanings	अंग्रेजी	--	
२७	Though an ethical System, Jainism is a religion	अंग्रेजी	Punjabi Uni. Patiala, Seminar on Approaches to the Study of Religion	१९७१
२८	Tirthankara Mahavira	अंग्रेजी	J.O.I., Baroda, Vol.24, p.11	१९७४
२९	Sources of Panec- istikaya n Jain Canon	अंग्रेजी	Seminar on Life and Works of Kundakunda-charya Mysore Uni.	१९७७
३०	आगमयुगका अनेकांतवाद	हिन्दी	जे. सं. सं. मण्डल पत्रिका- २३	१९४७
३१	आगमयुगका जैनदर्शन	हिन्दी	सन्मान विद्यापीठ, आग्रा	१९६६
३२	आत्म भीमांसा	गुजराती	जैन सं.सं.मण्डल पत्रिका	१९५३
३३	जैन आगम	हिन्दी	जै.सं.सं.मण्डल पत्रिका	१९४७
३४	जैन दर्शन का आदिकाल	हिन्दी	--	१९७९
३५	जैन दर्शनिक साहित्यके विकासकी रूपरेखा	हिन्दी	जैन सं.सं. मण्डल पत्रिका-२ प्र.आ.१९४६, दू.आ. १९५२	
३६	जैन दर्शनिक साहित्यका सिहावलोकन	हिन्दी	जै. सं.सं.मण्डल पत्रिका-२२ १९४९ प्रेमी अभिनंदन ग्रंथ	
३७	जैन दर्शनिक साहित्यका सिहावलोकन	हिन्दी	जै.सं.सं.मण्डल पत्रिका २२ १९४६ प्रेमी अभिनंदन ग्रंथ	
३८	जैन धर्म चितन	गुजराती	जगमोहन कोण स्मारक पुस्तकमाला, अशोक	१९६५
३९	निशीथ-एक अध्ययन	हिन्दी	सन्मान विद्यापीठ, आग्रा. निशीथ चूर्ण भा.एकी प्रस्तावना	१९५९
४०	प्रज्ञाचक्षु पं.सुखलालजी	गुजराती	गुजराती ग्रंथकार प्रेणी-७	१९७७
४१	प्रभु श्री महावीरनो जीवन संदेश	गुजराती	सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट	१९७२

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
४२	भगवान महावीर	हिन्दी	जैन सं.सं.भण्डल, बनारस हिन्दू युनि.	१९५२
४३	हिन्दुओं ओं धर्म	गुजराती	परिचय ट्रस्ट सं.वाढीलाल डगली	१९६४

प्रस्तावना

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	'जैन धर्मनो प्राण' नी प्रस्तावना	गुजराती	"जैन" वर्ष ६१ अंक: ३३-३४ता, २७-८-६२	१९६२
२	जैन साहित्य बृहत् इतिहास भाग-२	हिन्दी	बनारस	१९६६
३	दशवैकालिक चूर्णि- सं. मुनिश्री पुण्य- विजयजी	हिन्दी	प्राकृत टेक्स्ट सोसायटी	१९७३
४	पं. महेन्द्रकुमार संपादित षड्दर्शन समुच्चय	हिन्दी	भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली	--
५	प्रमाणमीमांसा	गुजराती	हिन्दी अनुवाद	--
६	पं. महावीर-एक अनुशीलन	गुजराती	मूल्यांकन	१९७४

विद्वान व्यक्तिओं विशेष नोथ

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	Agamaprabhakara Muni Punyavijayaji	अंग्रेजी	J.V.U.R.I. Vol.X	१९७२
२	Dr. Mahendrakumar Shastri	अंग्रेजी	JOI Baroda, Vol 8. p. 449	१९५९
३	अनागरिक धर्मपाल	गुजराती	प्र.जी.	१९६५
४	अभिनंदन (डॉ. टाटिया)	हिन्दी	त्रिमण २-७	१९५२
५	अमर यशोविजयजी	गुजराती	यशोविजयजी समृद्धिग्रंथ	१९५७
६	आहंसाकी विजय- तरुण जैन	हिन्दी	मूल प्र. जी. मेस	१९४८

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
७	अहिंसानो विजय (गांधीजी विषे मृत्युनोध)	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९४८
८	आगम प्रकाशन और आचार्य तुलसी	हिन्दी	श्रमण १०-५	१९५९
९	आगमप्रभाकर स्व. मुनिश्री पुण्यविजयजी	गुजराती	प्र.जी.१-७-७१, आत्मानंद प्रकाश, मु.श्री पुण्यविजयजी श्रान्तांजलि विशेषांक	१९७४
१०	आचार्य मुनि जिन- विजयजी	गुजराती	ग्रंथ	१९७६
११	आचार्यश्री आत्मासमजी-हिन्दी का भाग		जैन प्रकाश	१९६२
१२	आचार्यश्री तुलसीके हिन्दी उत्तराधिकारी-युवाचार्यका अभिनन्दन-तुलसी प्रश्ना युवाचार्य विशेषांक		जैन विश्वभारती, लाडनूं	१९७६
१३	एक आदर्श महिला- स्व. अवन्तिका गोखले के सेवामय जीवनकी कहानी	हिन्दी	ज्ञानोदय	१९५२
१४	कवि नहीं पण संत शिष्य	गुजराती	कविवर्यश्री नानचंदजी जन्मशताब्दि स्मृतिग्रन्थ	१९७७
१५	जंगम आगम संशोधन मंदिर	हिन्दी	श्रमण २-४	१९५२
१६	जूना-नवाना सेतु (श्री चीमनभाई च. शाह)	गुजराती	श्री चीमनलाल च. शाह सन्मान समारंप स्मरणिका	१९७२
१७	जैन प्रजासेवक श्री दुर्लभजी केसवजी खेताणीनुं सन्मान	गुजराती	जैन प्रकाश	१९४६
१८	ज्ञानतपस्वी मुनिश्री पुण्यविजयजी	गुजराती	ज्ञानांजलि, अभिवादन	१९६९

क्रम	लेखा	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१९	डॉ. बालकृष्ण अमरजी पाठक (स्मरणांजलि)	हिन्दी	आयु. कोलेज पत्रिका, बनारस युनि.	१९४९
२०	डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल	ગुजराती	धर्मसंदेश	१९६६
२१	डॉ. हरिविल्लभ भायाणी अने तेमनु साहित्य	गुजराती	गुजराती साहित्य अकादमी	१९९०
२२	डॉ. हिरलालको यथार्थ श्रद्धांजलि	हिन्दी	समति अक्टू-नव	१९७३
२३	तेगपंथने नवी दिशा देनार आचार्य तुलसी	गुजराती	जनसत्ता	१९७५
२४	पू. सहजानंदजी द्वारा दी गई अनुपम दार्शनिक विद्याकी विरासत-	हिन्दी	सहजानंद वाणी अंक सहजानंद	१९८५
२५	मानवता घोषक (जयभिक्षु)	गुजराती	श्री जयभिक्षु षष्ठ्यपूर्ति स्मरणिका	१९६८
२६	मुझे शीघ्र भूल जाना (बर्नाडो)-तरुण	हिन्दी	--	१९५२
२७	मुनिश्री नथमलजीने आचार्यपदनी घोषणा प्रसंगे अभिनन्दन	गुजराती	गुजरात समाचार	१९७९
२८	युग प्रधान प्रभावक आचार्यश्री	गुजराती	दुर्लभ धर्म	१९८१
२९	विद्यानिष्ठ डॉ. शाह	गुजराती	दृष्टि	१९७२
३०	विद्यानिष्ठ राष्ट्रभक्त आचार्य जिनविजयजी	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९७६
३१	विद्यानिष्ठ श्री करुणा-शंकर मास्तर	गुजराती	मधुपार्क	१९७३
३२	विद्यानिष्ठ समभावी पंडित वेचरदासजी	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९८३
३३	विद्यानिष्ठ सौजन्यमूर्ति डॉ. हिरलाल जैन	गुजराती	प्र. जी.	१९७३

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
३४	विद्यानिष्ठ सौजन्यमूर्ति डो. हिरलाल जैन	गुजराती	जैन जगत (परिचय)	१९७१
३५	विद्यामूर्ति पं. सुखलालजी	गुजराती	कुमार	१९५१
३६	विद्यामूर्ति पं. सुखलालजी-तरुण	हिन्दी	--	१९५२
३७	विद्यासंगी श्री नाहट्यजी	हिन्दी	अगरचन्द नाहट्य अभिनंदन ग्रंथ, बिकानेर	१९७६
३८	शो का संदेश-मुझे भूल जाओ	हिन्दी	श्रमण	१९५९
३९	श्री परमानंदभाई विषे शुं कहेवुं ?	गुजराती	प्र. जी.	१९७१
४०	सत्यनिष्ठ डो. हिरलालजी	हिन्दी	वैशाली इन्स्टी. रीस. बुलेटीन नं. २, डो. हिरलाल जैन मेमोरियल नं. २	१९७४
४१	साहित्य तपस्वी स्व. प्रेमजी	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९६०
४२	सेवानिष्ठ सौजन्यमूर्ति श्री शान्तिभाई शेठ	हिन्दी	सासाहिक ग्रामवासी उ.प्र.का सबसे प्राचीन वर्तमान सासाहिक	१९८७
४३	स्व. भैरोधनजी शेठिया	गुजराती	प्र.जी. हिन्दी अनु. जैन प्रकाश १५-१०-६१	१९६१
४४	स्व. भैरोधनजी शेठिया	हिन्दी	प्रबुद्ध जीवन हिन्दी अनु.जैन प्रकाश	१९६१
४५	स्व. मोहनलाल झवेरी	हिन्दी	श्रमण २-१	१९५०
४६	स्व. श्री बालाभाई वीरचंद देसाई(जयभिक्षु)	गुजराती	प्र.जी.	१९७०

व्याख्यानो

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	Development of Jaina Philosophy (Seminar for Indische)	अंग्रेजी	Philologie freie Uni. at, Berlin	१९६९

अनुसंधान-१७ • 259

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
२	Life of Lord Maha-vira- Seminar on Prakrit Studies	अंग्रेजी	Bombay Uni. 27-30 Oct.	१९७१
३	Prohibition and Indian Culture	अंग्रेजी	संबोधि २.२	१९७१
४	अनेकांतवाद	गुजराती	पर्युषण व्याख्यानमाला मुंबई, १९६२ प्रगट प्र.जी.	१९६३
५	आराधना	गुजराती	(वलसाडमां चुनीलाल वोरा आराधना होलन्दु उद्घाटन व्याख्यान) प्रगट प्र.जी।	१९७४
६	कर्म सिद्धांत	गुजराती	(पर्युषण व्याख्यानमाला ९-१-६९) प्रगट प्र.जी.	१९७०
७	गुजराती साहित्य परिषद	गुजराती	१९७६ ना पोरबंदरसा अधिकेशन- ना संशोधन विभागना प्रमुखनुं व्याख्यान १९७६	
८	जैन-आचार	हिन्दी	--	१९७८
९	जैन-साहित्य	हिन्दी	--	१९७८
१०	जैन अध्ययनकी प्रगति	हिन्दी	AIOC, दिल्ही में प्राकृत और जैन विभागके अध्यक्षपद से व्याख्यान	१९५७
११	जैन अध्ययनकी प्रगति	हिन्दी	जे.सं.सं.मण्डल पत्रिका-३३ श्रमण मार्च, '५८	१९५८
१२	जैन आचारके मूल सिद्धांत	हिन्दी	पञ्जसन व्याख्यान माला में दिया गया व्याख्यान	१९५०
१३	जैन दर्शन अने जीवनसाधना	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९३
१४	जैनधर्म	हिन्दी	बंबईमें पर्युसण के अवसर पर दिये गये व्याख्यान का संक्षेप	१९५६
१५	जैन धर्म अने प्राकृत भाषाना अध्ययननी स्थृति	गुजराती	जैन	१९६७

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१६	जैन साहित्य समाग्रह	गुजराती	तत्त्वज्ञान विभागना प्रभुखनुं व्याख्यान, प्र. महाकीर जैन विद्यालय हीरक महोत्सव प्रसंगे २१-२३ जान्यु. १९७७	--
१७	जैन साहित्यगत प्रारंभिक निष्ठा	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९७९
१८	जैनदर्शन का प्रारंभ	हिन्दी	--	१९७८
१९	जैनदर्शन का विकास	हिन्दी	--	१९७८
२०	जैनधर्म और बौद्धधर्म	हिन्दी	पञ्चुसन व्याख्यानमालासे	१९५७
२१	जैनधर्म और बौद्धधर्म	हिन्दी	--	१९७८
२२	जैनधर्म और संस्कृत भाषा के अध्ययन की स्थिति	हिन्दी	ब्रेंगलोरमें 'भारतके विश्वविद्यालयों में धर्मों का आध्यास' नाम से आयोजित शानसत्र में अंग्रेजी में वक्तव्य दिया था, उसका गुजराती अनुवाद जैन पत्रमें प्रकाशित हुआ. उसीसे हिन्दी अनुवाद	--
२३	जैनधर्म का उद्भव	हिन्दी	--	१९७८
२४	जैनधर्मनुं प्राचीन स्वरूप	गुजराती	पाटणनी आईस अने सायन्स कोलेजमां युनि. व्याख्यान ३-२-७८	--
२५	जैनधर्ममां विश्वधर्म बने एवा तत्त्वो छे खाए ?	गुजराती	पर्युषण पर्वनी व्याख्यानमाला	१९३७
२६	जैनागम साहित्य	हिन्दी	--	१९७८
२७	जैनागम साहित्य - जैनदर्शन का उद्भव और विकास	हिन्दी	डॉ. ए.एन. उपाध्ये स्मारक व्याख्यानमाला, शिवाजी युनि., कोल्हापुर, ७ अने ८-१०-७७	--
२८	जैनोनी इतिहास दृष्टि	गुजराती	गुज. युनि. इतिहास विभागमां ता. १३-२-७५नुं व्याख्यान	--
२९	डॉ. ए.एन. उपाध्ये	गुजराती	चित्रना अनावरण प्रसंगे रुजारम-- कोलेज, कोल्हापुर ता. ८-११-७७ मौखिक	--

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
३०.	धर्म की दो प्राचीन व्याख्याएं	हिन्दी	अहमदाबाद की प्रार्थना समाजमें गुजरातीमें दिए गए भाषणका अनुवाद	१९६०
३१	धर्मनी वे जूनी व्याख्या	गुजराती	प्रार्थना समाजमां	१९६०
३२	नयचक्र	गुजराती	आत्मानंद प्रकाश	१९६७
३३	प्रबुद्ध जीवन	गुजराती	रजत जयन्ती समारंभ प्रसंगे- प्र.जी.	१९६४
३४	प्राचीन आगमों में जैनदर्शन की भूमिका	हिन्दी	डॉ. आदिनाथ नेमिनाथ उपाध्ये की स्मृतिमें शिवाजी युनि.में ता.७-१०-७७ को दिया गया प्रथम व्याख्यान	१९७७
३५	बौद्धसमंत विज्ञानाद्वैत	गुजराती	संगोष्ठिमां ता. ४-५-७७	--
३६	भ.महावीरका उपदेश और आधुनिक समाज- आज के संदर्भ में भ. महावीर के विचारों की संगति	हिन्दी	संगोष्ठिमें उदेपुर उद्घाटन व्याख्यान २-१०-७६	--
३७	भ.महावीरनो जीवन संदेश	गुजराती	प्रबुद्ध जीवन	१९७२
३८	भगवान बुद्ध और महावीर	हिन्दी	बंबई पञ्जुसन व्याख्यानमालासे	१९६४
३९	भगवान बुद्ध और महावीर	हिन्दी	प्र.जी.से अनूदित	१९६४
४०	भारतीय संस्कृति	गुजराती	युनि.व्याख्यान, लोकभारती सौराष्ट्र युनि., १९७५	--
४१	भारतीय संस्कृतिमां गुजरातनु स्थान	गुजराती	(लायन्स कलबंगां व्याख्यान १९६३ ५-६-६३) प्रगट प्र.जी.	१९६३
४२	भारतीय संस्कृतिमां जैन-बौद्ध धर्मनु प्रदान	गुजराती	(गुजरात विद्यापीठमां व्याख्यान १९७२ 'विद्यापीठ'जुलाई-ओगस्ट	१९७२
४३	शून्यवाद	गुजराती	संगोष्ठि व्याख्यान, संबोधि	१९७७

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
४४	शून्यवाद अने स्थाप्ताद	गुजराती	(दर्शन परिषदतुं उद्घाटन व्याख्यान, अमदावाद. (२७-१२-७३), आचार्य प्रवर आनंद ऋषि अभिनंदन ग्रंथ	१९७५
४५	शून्यवाद और स्थाप्ताद	हिन्दी	अखिल भारतीय दर्शन परिषद का उद्घाटन भाषण-अहमदाबाद १९७३	
४६	संस्कृत अध्ययन	गुजराती	संस्कृत दिननी उज्ज्वली निमित्ते भाषाभवन गुज.युनि.मां व्याख्यान ता. ५-९-७४	--
४७	सह अस्तित्व और पंचशील सिद्धान्त भारतका समन्वय भावना का चरम विकास	हिन्दी	प्राच्य विद्या परिषदमें श्री भालवणिया का भाषण- हिन्दुस्तान	१९५७
४८	हिन्दु-जैन बौद्ध धर्मनुं तत्त्वज्ञान	गुजराती	बोटादकर कोलेज, युनि. व्याख्यान, बोटाद २५-१-७८	१९६३
४९	हिन्दूधर्म और जैनधर्म	हिन्दी	पञ्जसन व्याख्यानमाला से	१९६३
५०	हिन्दूधर्म और जैनधर्म	हिन्दी	प्रबुद्ध जीवन	१९६४

संपादन

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	Dictionary of Prakrit Proper Names	अंग्रेजी	Vol. 1-2	१९७२
२	Sanmati Tarka (Eng. Edition)	अंग्रेजी	Jain Svetambar Education Board, Bombay	१९३९
३	धर्मोत्तर प्रदीप	गुजराती	के. पी. जायस्वाल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पटना	१९५५
४	धर्मोत्तर प्रदीप	गुजराती	के. पी. जायस्वाल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पटना	१९७१

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
५	न्यायावतारवार्तिक वृत्ति	हिन्दी	सिंधी जैन ग्रंथमाला, नं.-२०	१९४९
			बाबई	
६	प्रमाण वार्तिक	गुजराती	बनारस युनिवर्सिटी	१९५९
७	भगवान महावीर	गुजराती	आचार्य श्री तुलसी, अमदावाद	१९७५
८	रत्नाकरवतारिका १-२	हिन्दी	ला.द.सिरिजि	१९६८
९	विशेषवश्यकभाष्य १-२	हिन्दी	ला.द.सिरिजि	१९६९
१०	श्री लोकाशाहनी एक कृति	गुजराती	(लुंकाना संदर्भिया अट्टावने बोल 'स्वाध्याय' २)	१९६४

सह-संपादन

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१	आचार्यश्री आनन्दऋषि अभिनंदन ग्रंथ	हिन्दी	--	१९७५
२	गुरुदेव श्री रत्नमुनि स्मृतिग्रंथ	गुजराती	--	१९६४
३	जैन साहित्यका वृहद् इतिहास	हिन्दी	भा.१-२	१९७३
४	जैनधर्मने प्राण	गुजराती	पं. सुखलालजी	१९६२
५	ज्ञानबिन्दु	गुजराती	पं. सुखलालजी साथे	१९४०
६	तत्त्वार्थसूत्र	गुजराती	हिन्दी	१९३९
७	तत्त्वार्थसूत्र	गुजराती	हिन्दी	१९५०
८	तत्त्वार्थसूत्र	गुजराती	हिन्दी	१९५२
९	तर्कभाषा	गुजराती	पं. सुखलालजी साथे	१९३९
१०	दर्शन अने चितन १-२	गुजराती	--	--
११	दर्शन और चितन	हिन्दी	--	१९५७
१२	नंदी-अनुयोगद्वार मूल	हिन्दी	--	१९६८
१३	पत्रिका-संपादन	गुजराती	Journal of Indian Philosophy, Member Board of consulting editors	--

क्रम	लेख	भाषा	प्रकाशक	प्रकाशनवर्ष
१४	पाइयसद्भहणणको (द्वितीय आवृत्ति) डॉ. वासुदेवशरण अग्रबाल के साथ	हिन्दी	--	१९६४
१५	पूज्य गुरुदेव कविवर्य पं. नानचंदजी महाराज	गुजराती	जन्म-शताब्दि समृति ग्रंथ (२०३३)	१९७७
१६	प्रज्ञापना सूत्र	गुजराती	भाग-१	१९६९
१७	प्रज्ञापना सूत्र	गुजराती	भाग-२	१९७१
१८	प्रमाणमीमांसा	गुजराती	पं. सुखलालजी साथे आत्मानंद प्रकाश	१९७४
१९	मुनि श्री पुष्यविजयजी श्रद्धांजलि विशेषांक	गुजराती	आत्मानंद प्रकाश	१९७४
२०	मुनि श्री हजारीमल समृतिग्रंथ	हिन्दी	--	१९६५
२१	ब्रह्मण	गुजराती	Journal of Indian Philosophy, Member Board of consulting editors	--
२२	श्री महावीर जैन विद्यालय सुवर्ण महोत्सव ग्रंथ	गुजराती	--	१९६८
२३	श्री राजेन्द्रसूरि स्मारक ग्रंथ	हिन्दी	--	१९५८
२४	संबोधि	गुजराती	Journal of Indian Philosophy, Member Board of consulting editors	--
२५	संस्कृत-प्राकृत जैन व्याकरण और कोशकी परंपरा	हिन्दी	महामनस्वी आ. कालू गण समृतिग्रंथ, छापर,	१९७७

